सार्वजनिक सेवा-सुविधा के प्रति निवासियों का प्रयास और सहयोग : अध्ययन

निवासी सभा सहजीकरण दल के सदस्य निवासी सभा प्रक्रिया विकसित करने के दौरान निवासियों की सार्वजनिक सेवाओं एवं सुविधाओं के प्रति सोच एवं तैयारी के संबंध में कई प्रश्नों का जवाब ढूँढ़ते रहे हैं। कई बार क्षेत्र में निवासी सभा दल के द्वारा अनौपचारिक तरीके से जवाब लिया गया एवं कई बार व्यवस्थित विधि से सर्वेक्षण कर डाटा इकट्ठा किया गया और डाटा का विश्लेषण किया गया। नीचे एक अध्ययन को प्रस्तुत किया गया है। इसमें निवासियों के बीच निवासी सभा जागरूकता अभियान चलाने के लिए केंद्र बिंदु में क्या विषय रखा जाए यह समझने में मदद मिली।

यहाँ प्रस्तुत अध्ययन दो सवालों पर केंद्रित है-

प्रश्न 1 - क्षेत्र में सार्वजनिक सेवा, सुविधा एवं परिसंपत्ति से संबंधित किस समस्या का निदान सबसे पहले होना चाहिए। उत्तरदाता किन्हीं तीन समस्याओं के बारे में बताएँ।

प्रश्न 2 - क्षेत्र में किस सार्वजनिक मुद्दे में आप सहयोग करेंगे। उत्तरदाता किन्हीं तीन सार्वजनिक मुद्दों के बारे में बताएँ।

यह सर्वेक्षण बिहार राज्य के नालंदा जिला के इस्लामपुर प्रखण्ड के 10 गाँवों में किया गया। इस के लिए कुल 156 घरों व्यक्तियों से सवाल पूछा गया। यह सर्वेक्षण निवासी सभा सहजीकरण कार्यक्रम में कार्यरत सहजकर्त्ता के द्वारा किया गया। सर्वेक्षण के लिए चयनित गाँव में घरों का चुनाव रैंडम तरीके से किया गया। गाँव में किसी भी स्थान से एक घर का सर्वे प्रारंभ करते हुए 5 घरों का अन्तराल रखकर अगले घर का सर्वे किया गया।

<u>सर्वेक्षण आँकड़ा विश्लेषण:-</u>

सर्वेक्षण में पूछे गए दोनों सवालों का उत्तर उत्तरदाता ने खुले रूप में दिया। सर्वेक्षण दल के द्वारा विश्लेषण में उपयोग के लिए सभी उत्तरों का कोड किया गया। उत्तरदाता के द्वारा जो उत्तर दिए गए वे निम्न सार्वजनिक सेवा, सुविधा एवं परिसंपत्ति विभागों से संबंधित थी। नीचे दी गई सारणी में उत्तदाताओं की संख्या भी दी गई है जो सार्वजनिक सेवा, सुविधा एवं परिसंपत्ति विभाग को चुने।

सार्वजनिक सेवा सुविधा या परिसंपत्ति का विभाग-क्षेत्र	कितने लोगों ने यह विभाग क्षेत्र बताया					
	प्रश्न 1: क्षेत्र में सार्वजनिक सेवा-सुविधा या परिसंपत्ति से संबंधित किस मुद्दा/समस्या का निदान सबसे पहले होना चाहिए?		प्रश्न 2: क्षेत्र में किस सार्वजनिक मुद्दे में आपका योगदान होगा?		दोनों सावालों के उत्तर में समान विभाग आया	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
रोड	62	15.3	2	0.4	1	0.2
नाला	52	12.8	60	13.2	15	3.7
पानी	60	14.8	-	0	-	0
शौचालय स्वच्छता	58	14.3	38	8.4	17	4.2
बिजली	81	20.0	-	0	-	0
स्वास्थ्य	26	6.4	-	0	-	0
सामुदायिक भवन	8	2.0	-	0	-	0
यातायात	2	0.5	-	0	-	0
शिक्षा	18	4.4	18	4	3	0.7
सिंचाई	34	8.4	1	0.2	-	0
पुस्तकालय	1	0.2	-	0	-	0
रोजगार	21	5.2		0	-	0
आँगनबाड़ी	8	2.0		0	-	0
आवास	16	4.0	3	0.7	-	0
गरीबी	9	2.2	4	0.9	-	0
भ्रष्टाचार	1	0.2		0	-	0
अनाज बिक्री	2	0.5		0	-	0
साक्षरता	1	0.2		0	-	0
बैंक	1	0.2	1	0.2	-	0
आधार कार्ड	1	0.2		0	-	0
सामाजिक कुप्रथा	1	0.2		0	-	0
पशु चिकित्सक	1	0.2		0	-	0
सार्वजनिक कार्य (अंशदान)	2	0.5	26	5.7	-	0
जातिवाद	1	0.2	-	0	-	0

आपसी सहयोग	-	-	119	26.3	-	-
समझौता	-	-	17	3.8	-	-
धार्मिक कार्य	-	-	84	18.5	-	-
निवासी सभा	-	-	2	0.4	-	-
अन्तिम संस्कार	-	-	9	2.0	-	-
स्वयं सहायता समूह	-	-	6	1.3	-	-
कृषि कार्य	-	-	19	4.2	-	-
निरीक्षण	-	-	14	3.1	-	-
सामाजिक कार्य	-	-	17	3.8	-	-
चुनाव	-	-	1	0.2	-	-
शादी-विवाह	-	-	5	1.1	-	-
ऋण/लोन	-	-	1	0.2	-	-
पेड़-पौधा	-	-	5	1.1	-	-
स्वास्थ्य	-	-	2	0.4	-	-
बाल-विवाह	-	-	1	0.2	-	-

उपर्युक्त सारणी से निम्न विश्लेषण है:-

- सर्वेक्षण में शामिल उत्तरदाता उन कार्यों या समस्याओं का पहले निदान चाहते हैं जिसमें ज्यादा आर्थिक संसाधन की आवश्यकता है। जैसे - बिजली - 20%, रोड - 15.3%, पानी - 14.8%, नाला - 12.8%, शौचालय स्वच्छता - 14.3%, स्वास्थ्य - 6.4% (डॉक्टर की उपलब्धता), सिंचाई - 8.4%, रोजगार - 5.2%।

- उत्तरदाता ने खुद के सहयोग के लिए उन क्षेत्रों को ज्यादा चुना जिसमें कम या नगण्य धन राशि की आवश्यकता होती है। जैसे आपसी सहयोग - 26.3%, धार्मिक कार्य - 18.5%, समझौता - 3.8%, सार्वजनिक कार्य (अंशदान) - 5.7%, अन्तिम संस्कार - 2%, कृषि कार्य - 4.2%।

- उत्तरदाता ने जब खुद के सहयोग के लिए मुद्दा चुना तो निवासी सभा सहजीकरण के लिए एक उत्साहवर्द्धक तथ्य भी सामने आया है - सार्वजनिक सेवा-सुविधा की उपलब्धता एवं गुणवत्ता पर सूचना (सूचना का संग्रह) - 3.1%। निवासी सभा सहजीकरण कार्यक्रम में 'सूचना संग्रह' करना सभी निवासियों के लिए एक महत्त्वपूर्ण औजार है और इसमें उन्हें योगदान करने की आवश्यकता है।

- उत्तरदाता ने जब खुद के सहयोग के लिए मुद्दा चुना तो कुछ एक उन क्षेत्रों को भी चुना जिसमें कुछ धन राशि की आवश्यकता हो सकती है। जैसे नाला - 13.2%, शौचालय स्वच्छता - 8.4%, शिक्षा - 4%, रोड - 0.4%, सिंचाई - 0.2%।

- दोनों प्रश्न के जवाब को एक साथ रख कर देखने पर मालूम होता है कि दोनों प्रश्नों (1. समस्या का निदान और 2. अपना सहयोग) के लिए उत्तरदाता के द्वारा सेवा विभाग अलग - अलग चुने गए। यदि उत्तरदाता खुद अधिक खर्च वाले मुद्दे में अपना सहयोग करना चाहते हैं फिर भी उत्तरदाता के लिए दोनों प्रश्न के उत्तर के मुद्दों के क्षेत्र एक समान नहीं है। जैसे नाला से संबंधित मुद्दे की समस्याओं के निदान को 12.8 % उत्तरदाताओं ने चुना, अपने सहयोग को 13.2 % लोगों ने चुना जबकि सिर्फ 3.7 % उत्तरदाता ने दोनों प्रश्नों के लिए इस मुद्दे को चुना।

- महत्त्वपूर्ण: कुछ उत्तरदाता जिनका प्रतिशत बहुत कम (3%) है, उन कार्यों के संबन्ध में सूचना इकट्ठा करने में अपना सहयोग देते हैं।

उत्तरदाताओं के द्वारा दिए गए विचार को संभावित खर्च के आधार पर विश्लेषण किया गया है। सभी जवाबों को तीन समूह में बाँटा गया। सेवा सुविधा- क्षेत्र जिसमें सुधार या समाधान के लिए-

1) अधिक धन राशि की आवश्यकता होती है,

2) साधारण धन राशि की आवश्यकता होती है और

3) कम अथवा नगण्य धन राशि की आवश्यकता होती है।

उदाहरण के लिए अधिक धन राशि व्यय वाले सेवा - सुविधा, रोड, बिजली, स्वास्थ्य के लिए अस्पताल, इत्यादि।

साधारण धन राशि की आवश्यकता वाले सेवा-सुविधा नाला, शौचालय स्वच्छता, शिक्षा, पैन की उड़ाही इत्यादि।

कम अथवा नगण्य धन राशि वाले सेवा-सुविधा, का उदाहरण - जरुरत के समय सहयोग, सामाजिक कार्य मिलना जुलना, पर्व त्यौहार में मिलना इत्यादि(, सार्वजनिक कार्य (अंशदान), धार्मिक कार्य, सूचना इकट्ठा करना इत्यादि।

1. सार्वजनिक सेवा-सुविधा, जहाँ वे निदान चाहते है। 2. सार्वजनिक सेवा-सुविधा- जिनमे खुद का सहयोग करेंगे

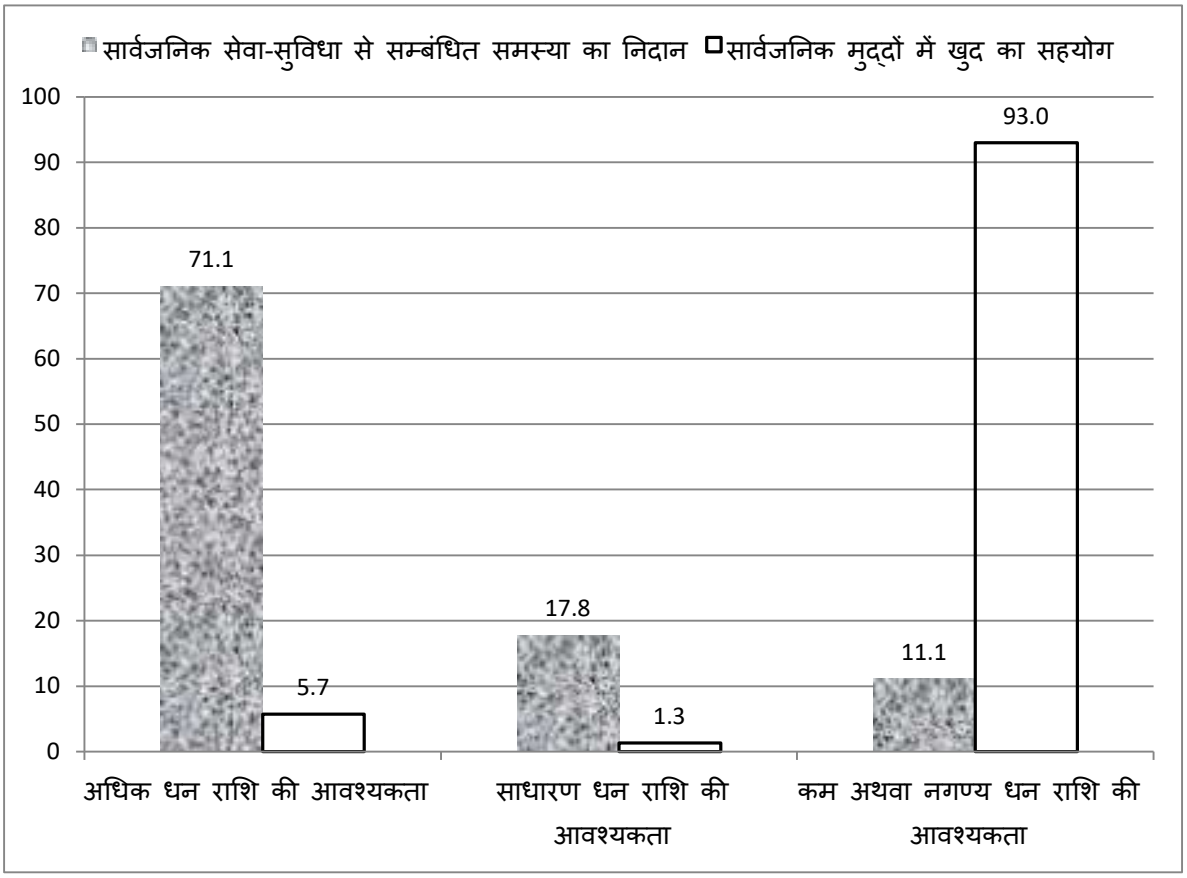

- निदान की आवश्यकता महसूस करने की तुलना में अधिक धन राशि की आवश्यकता वाले मुद्दे में उत्तरदाता अपने सहयोग की संभावना बहुत ही कम देखते है। 71.0% उत्तरदाता चाहते हैं कि ज्यादा खर्चीली समस्या का निदान हो जाए परन्तु सिर्फ 5.7% उत्तरदाता उसमें सहयोग करना चाहते हैं।

- जबकि सार्वजनिक सेवाएं जहाँ कम अथवा नगण्य धन राशि की आवश्यकता होती है, उनसे संबंधित समस्याओं के निदान उनके तीन प्रमुख आवश्यकताओं में नहीं है। उस प्रकार की आवश्यकताओं में अपना सहयोग करने के लिए आगे आना चाहते हैं। सिर्फ 11.1% उत्तरदाता ने प्राथमिकता बताया कि कम खर्चीली समस्या का निदान हो जाए परन्तु लगभग सभी 93% उत्तरदाता उसमें सहयोग करना चाहते हैं।

<u>निष्कर्ष</u>:

सर्वेक्षण निष्कर्ष के अनुसार उत्तरदाता उन कार्यों में अपनी भूमिका नहीं देखते हैं जिसमें अधिक खर्च की आवश्यकता होती है। शायद उनके अनुसार यह सरकार की भूमिका है। परन्तु कुछ उत्तरदाता जिनका प्रतिशत बहुत कम (3%) है, उन कार्यों के संबंध में सूचना इकट्ठा करने में अपना सहयोग देखते हैं। निवासियों की सभा सहजीकरण कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य है, कि सभी निवासी उन सभी सार्वजनिक सेवा-सुविधाओं, परिसंपत्तियों में अपनी भूमिका या सहयोग करें, जिससे उनके सार्वजनिक जीवन स्तर की गुणवत्ता प्रभावित होती है। निवासियों के लिए निवासी सभा अभियान तैयार करने में यह निष्कर्ष उपयोगी है।

इस सर्वेक्षण में दूसरा महत्त्वपूर्ण निष्कर्ष है कि निवासी आपसी सहयोग करते हैं परन्तु वे सहयोग ऐसे क्षेत्रों में है

जिसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं हो सकती है। मुख्यतः आपसी सामाजिक सहयोग ही उसका आधार होता है। जैसे आपसी सहयोग, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक कार्य (अंशदान), धार्मिक अनुष्ठान इत्यादि। इसका अर्थ है कि आपसी सहयोग की तत्परता सबों में है - निवासियों की इस इच्छाशक्ति के कारण ही निवासी सभा सहजकर्त्ता के छोटे प्रयास से लोग आपस में बैठक कर लेते हैं। इसे आधार बनाकर उन कार्यों में, चाहे वे सरकार का क्षेत्र समझा जाता हो या उनके आपसी सहयोग का क्षेत्र समझा जाता हो, जिसमें अधिक खर्च वाले सार्वजनिक सेवा-सुविधा की गुणवत्ता सीधे तौर पर प्रभावित होती है उनकी सहभागिता की नींव रखी जा सकती है। ये दोनों निष्कर्ष निवासी सभा अभियान में उपयोगी साबित हुआ है।